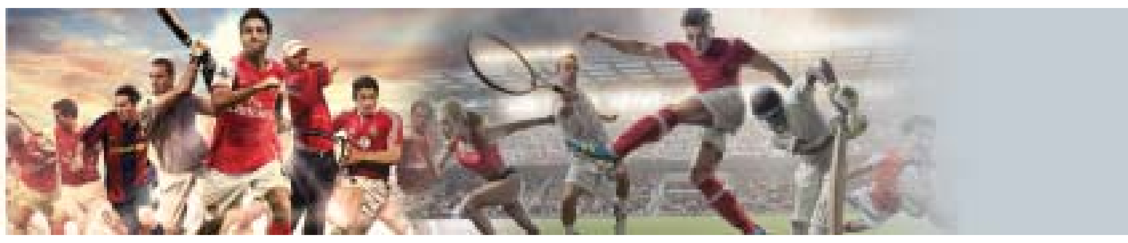

रैंकिंग में हिटमैन ने बाबर को पछाड़ा

रोहित आईसीसी एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

वर्तमान कप्तान शुभमन गिल शीर्ष पर

टी20 रैंकिंग में टिम डेविड 10वें और कैमरन ग्रीन 17वें स्थान पर पहुंचे

दुबई, 13 अगस्त.अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

आईपीएल 2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलने वाले 38 साल के रोहित ने एक स्थान के फायदे से पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ा जो कैरेबिया में वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में संपन्न एकदिवसीय श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए।

रोहित के 756 अंक हैं और वह भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल (784) से पीछे हैं जो पहले नंबर पर बने हुए हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 736 अंक के साथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं। रोहित और कोहली दोनों ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी लेकिन उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा व्यक्त की है। दोनों स्टार बल्लेबाज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेल सकते हैं और उन्होंने लय में वापसी के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

मौजूदा रैंकिंग में भारत के पांच बल्लेबाज शीर्ष 15 में हैं जिसमें श्रेयस अय्यर आठवें और लोकेश राहुल 15वें स्थान पर हैं। इस बीच नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को फायदा हुआ है। टिम डेविड ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शुरुआती दो मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और दाएं हाथ का यह आक्रामक बल्लेबाज छह स्थान के सुधार से 10वें पायदान पर है।

डेविड के टीम के साथी कैमरन ग्रीन भी छह स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर हैं। डार्विन में दूसरे टी20 में 125 रन की रिकॉर्ड शतकीय पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस लंबी छलांग लगाते हुए 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजी में मैट हेनरी ने पैट कमिंस को पीछे छोड़ा

तेज गेंदबाज मैट हेनरी 9.12 की औसत से 16 विकेट चटकाकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। वह एक स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गए। हेनरी ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को पीछे छोड़ा। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दूसरे नंबर पर मौजूद रबादा ही उनसे आगे हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र (15 स्थान के फायदे से 23वें पायदान पर), डेवोन कॉनवे (सात स्थान के फायदे से 37वें स्थान पर) और हेनरी निकोल्स (छह स्थान के फायदे से 47वें स्थान पर) को बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

विश्व चैंपियनशिप में सिंधु-लक्ष्य को मिलेगी कड़ी चुनौती

पेरिस में 25 अगस्त से बैडमिंटन का महाकुंभ

पेरिस, 13 अगस्त. भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को 25 अगस्त से शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप के लिए बुधवार को चुनौतीपूर्ण ड्रॉ मिले जिसमें लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीन के शी युकी के खिलाफ करेंगे।

लक्ष्य और शी इससे पहले चार मुकाबलों में भिड़े हैं जिसमें चीन के खिलाड़ी ने तीन जीते और एक गंवाया है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य पिछले साल पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल में हार के बाद से लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता अल्मोड़ा के 23 वर्षीय लक्ष्य विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर खिसक गए हैं। वह मौजूदा सत्र में सिर्फ ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में केवल क्वार्टर फाइनल तक पहुंच पाए हैं। लक्ष्य ने अपनी क्षमता की झलक दिखाई है लेकिन इस सत्र में महत्वपूर्ण मैचों में उन्हें जीत हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा है। पुरुष एकल के एक अन्य कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय पहले दौर में निचली रैंकिंग वाले फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ के खिलाफ खेलेंगे लेकिन दुनिया के 34वें नंबर के इस भारतीय खिलाड़ी का दूसरे दौर में सामना विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन से हो सकता है। महिला एकल में टूर्नामेंट की सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी और पांच बार की पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए पहले दौर का मुकाबला अपेक्षाकृत आसान है। वह अपने अभियान की शुरुआत बुल्गारिया की विश्व की 66वें नंबर की खिलाड़ी कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ करेंगी। सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग झी यी से भिड़ सकती हैं।

पीवी सिंधु का सामना बुल्गारिया की नलबंतोवा से

लक्ष्य सेन पहले दौर में विश्व नंबर-1 शी युकी से भिड़ेंगे

म्हात्रे संभालेंगे मुंबई की कमान

मुंबई, 13 अगस्त (वार्ता) आयुष म्हात्रे आगामी सोमवार से शुरु होने वाले बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई टीम की कप्तानी करेंगे।

तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित यह बहु-दिवसीय टूर्नामेंट 18 अगस्त से नौ सितंबर तक चेन्नई में खेला जाएगा। मुंबई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संक्षिप्त और अंडर-19 टीम की कप्तानी करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले युवा आयुष म्हात्रे को 17 सदस्यीय टीम की कमान सौंपी है। टीम में सरफराज खान और मुशीर खान भी शामिल हैं।

मुंबई टीम- आयुष म्हात्रे (कप्तान), मुशीर खान, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, सुवेद पार्कर (उप-कप्तान), प्रग्नेश कनपिल्लेवार, हर्ष अघव, साईराज पाटिल, आकाश पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), श्रेयस गुरव, यश डिचोलकर, हिमांशु सिंह, रॉयस्टन डायस, सिल्वेस्टर डिसूजा और इरफान उमैर। इस बीच, साई किशोर और प्रदोष राजन पॉल टूर्नामेंट में दो तमिल टीमों की कप्तानी करेंगे। किशोर टीएनसीए अध्यक्ष एकादश का नेतृत्व करेंगे जिसमें विजय शंकर, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ और बाबा इंद्रजीत जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

▸ बुची बाबू टूर्नामेंट में 18 अगस्त से चुनौती शुरू

पवन सहरावत बने तमिल थलाइवाज के नए कप्तान

पवन 2.26 करोड़ में बने पीकेएल के सबसे महंगे खिलाड़ी

चेन्नई, 13 अगस्त (वार्ता) तमिल थलाइवाज ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन 12 के लिए पवन सहरावत को कप्तान और अर्जुन देशवाल को आज उप-कप्तान नियुक्त किया। यह घोषणा टीम के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है क्योंकि अब टीम गौरव की ओर अग्रसर है।

पीकेएल के हाई फ्लायर के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसित, पवन सहरावत लीग के इतिहास के सबसे गतिशील खिलाड़ियों में से एक हैं। सीजन 9 में तमिल थलाइवाज ने उन्हें ?2.26 करोड़ में अनुबंधित किया, जिसके बाद वह पीकेएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। भारतीय रिजर्व बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए, पवन ने 2019 दक्षिण एशियाई खेलों और 2023 एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव भी बढ़ाया है। उनके साथ पीकेएल की रेड मशीन अर्जुन देशवाल भी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जो उप-कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रहने वाले अर्जुन एक अनुभवी रेडर हैं और वर्तमान में राज्य पुलिस बल में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं। उनके शानदार करियर में चीन के हांगझाऊ में 2022 एशियाई खेलों में भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतना शामिल है।

नेतृत्व की घोषणा के साथ, तमिल थलाइवाज ने सीजन 12 के लिए अपनी मुख्य किट का भी अनावरण किया। पूरी तरह से नीले रंग की डिजाइन और आकर्षक सुनहरे रंगों वाली यह किट टीम की नई ऊर्जा और महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। यह सोना इस सीजन के अंतिम लक्ष्य का प्रतीक है, जो कबड्डी में सबसे बड़ा पुरस्कार जीतता है।

- **अर्जुन उप-कप्तान, नई किट के साथ सीजन 12 की शुरुआत**
- **दोनों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते कई स्वर्ण पदक**
- **नीले-सुनहरे रंग में टीम की नई किट का अनावरण**

मुझे अर्जुन के साथ काम करने का सौभाग्य मिला

उप-कप्तान अर्जुन देशवाल के बारे में संजीव ने कहा मुझे अर्जुन के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है जब उन्होंने जयपुर पिंक पैंथर्स की कप्तानी की थी, और मैं खेल के प्रति उनके समर्पण, अनुशासन और संयम को प्रत्यक्ष रूप से जानता हूं। वह मैदान पर और मैदान के बाहर एक स्वाभाविक लीडर हैं, और पवन के साथ मिलकर वे एक मजबूत नेतृत्व समूह बनाते हैं।

एक नजर में

छह माह में लागू होगा विधेयक

नयी दिल्ली. खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को बताया कि संसद में सुचारू रूप से पारित होने के बाद ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अगले छह महीने में लागू कर दिया जाएगा और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें नियमों का मसौदा तैयार करना और बुनियादी ढांचे की पहचान करना शामिल है। संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में मांडविया ने विधेयक के उस प्रावधान को 'मानक सुरक्षा' के रूप में उचित ठहराया जो सरकार को असाधारण परिस्थितियों में भारतीय टीमों और व्यक्तिगत खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर 'उचित प्रतिबंध लगाने' का विवेकाधीन अधिकार देता है। मांडविया ने अपने आवास पर विशेष बातचीत में कहा, ''यह विधेयक जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। अगले छह महीनों के भीतर शत प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी।''

टेस्ट खेलने की ज़रूरत हर देश को नहीं

मेलबर्न, . क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग का मानना है कि सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे वित्तीय रूप से कुछ कमजोर बोर्ड पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालांकि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या नहीं है लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद है'। ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की मेजबानी की थी और अब वह इस साल के अंत में एशेज ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड का स्वागत करने के लिए तैयार है। इस महीने के शुरु में भारत और इंग्लैंड ने पांच टेस्ट मैचों की प्रतिस्पर्धी श्रृंखला खत्म की जबकि ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में एकतरफा जीत दर्ज की। इन नतीजों ने लाल गेंद क्रिकेट की वैश्विक संरचना पर फिर से बहस छेड़ दी है। ग्रीनबर्ग ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या है। लेकिन मुझे लगता है कि भविष्य में टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद होगी।''

आईसीसी ने कॉर्बिन बॉश को दी फटकार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में लेवल-1 उल्लंघन, डिमेरिट अंक जोड़ा गया

डार्विन, 13 अगस्त (वार्ता) दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है।

बॉश को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो %किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, व्यवहार या हावभाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने% से संबंधित है। इसके अलावा, बॉश के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

दूसरे टी20 में आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन

भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेल बोली की मंजूरी

आईओए की विशेष आम बैठक में सर्वसम्मति से फैसला

नयी दिल्ली 13 अगस्त (वार्ता) भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए देश की बोली को बुधवार को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी।

आज यहां आयोजित आईओए की विशेष आम बैठक (एसजीएम) में यह फैसला लिया गया। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया था और अब उसके पास अंतिम बोली प्रस्ताव दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय है।

अंतिम बोली प्रस्ताव जमा करने की तिथि 31 अगस्त

अहमदाबाद, भुवनेश्वर और दिल्ली संभावित मेजबान शहर

नाइजीरिया समेत दो देश हैं दावेदार

बैठक के बाद आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, मुझे खुशी है कि सभी एकमत हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है और हमारी तैयारियां आगे बढ़ेंगी। हम यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबानी शहर होगा या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं। भारत के अलावा, नाइजीरिया, कनाडा और दो अन्य देशों ने भी इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी में रुचि दिखाई थी। हालांकि कनाडा ने इस वर्ष जून में इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था। खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में प्रस्तावित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने और गुजरात सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया। इस महीने के आखिर में एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के आने की उम्मीद है। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अंतिम मेजबान देश का फैसला ग्लासगो में नवंबर के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रमंडल खेल की आम बैठक होगा।

कविता के शतक से बीकानेर की धमाकेदार जीत

जयपुर, 13 अगस्त (वार्ता) राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान मे राज्य स्तरीय सीनियर महिला टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को बीकानेर ने सवाईमाधोपुर को 116 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पर खेले गये मैच में बीकानेर ने पहले खेलते हुए कविता के ताबड़तोड़ शतक (109) और नीलम के 69 रनों की मदद से निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 211 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए सवाई माधोपुर की टीम 20 ओवर मे छह विकेट खोकर मात्र 95 रन बना सकी।

बीकानेर की ओर से प्रियंका, सरिता, नेहा, विजय लक्ष्मी, मनीषा ने एक एक विकेट लिया। बीकानेर का तीसरा मुकाबला अजमेर से होगा।

सवाई माधोपुर को 116 रनों से हराया, लगातार दूसरी जीत

बीकानेर ने पहले खेलते हुए 211 रन बनाए

सवाई माधोपुर की टीम सिर्फ 95 रन पर सिमटी

रफ्तार का बादशाह ▸ अनिमेष कुजूर की जीत जज्बे और जर्नी की कहानी

कलिंगा में दर्शकों के नारे की गूंज लग रही थी डरावनी

नई दिल्ली 13 अगस्त. कॉन्टिनेंटल टूर की गहमागहमी थमने के बाद भारत के सबसे तेज धावक अनिमेष कुजूर ओडिशा के कलिंगा स्टेडियम के ट्रैक पर अपने कोच मार्टिन ओवेंस के साथ सुकून से बैठे थे. सुबह की ट्रेनिंग सत्र के बाद दोनों ने बैठकर बीते थकाऊ सीजन के उतार-चढ़ाव पर गहराई से चर्चा की.

साल की शुरुआत में देशभर में कई तेज-तर्रार घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना, फिर लगभग एक महीने तक यूरोप में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा करना, और उसके बाद घर लौटकर कॉन्टिनेंटल टूर में भाग लेना...इन सबका असर अनिमेष पर साफ दिख रहा था.

भारत लौटने के बाद से ही उन्हें जिद्दी सर्दी ने परेशान कर रखा था. भुवनेश्वर में कॉन्टिनेंटल टूर की दौड़ से ठीक एक रात पहले उन्हें दवा खानी पड़ी, ताकि वे रेस के लिए खुद को ठीक-ठाक हालत में रख सकें. बीमार होने के अलावा प्रतियोगिता की अपनी चुनौतियां भी थीं. अनिमेष ने माना कि दर्शकों के गगनभेदी उत्साह से वे थोड़ा असहज हो गए थे. उनके मन में सवाल था- अगर वे हार गए तो? अगर घरेलू दर्शकों के सामने उनका प्रदर्शन खराब हो गया तो लोग क्या सोचेंगे? और सबसे बुरा- अगर वे पदक से भी चूक गए तो?

लेकिन जैसे ही कलिंगा स्टेडियम में दर्शकों के नारे गूंजे, माहौल उनके लिए सामान्य हो गया. घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी ने 200 मीटर फाइनल 20.77 सेकंड में जीत लिया. दौड़ पूरी करने के बाद उन्होंने उसी भीड़ को महसूस किया, जो कुछ पल पहले तक उन्हें डरावनी लग रही थी.

उन्होंने उसैन बोल्ट वाला सेलिब्रेशन पोज बनाया और अपने परिवार के साथ तस्वीर खिंचवाई, जो पहली बार उन्हें रेस करते देखने आया था. यह उनके लिए बेहद रोमांचक पल था.

दो दिन बाद, जब आयोजन की गहमागहमी पूरी तरह थम गई, अनिमेष फिर उसी ट्रैक पर बैठे थे. इस बार सन्नाटा और खाली स्टैंड के बीच. उन्होंने माना कि कांटिनेंटल टूर में उनकी टाइमिंग अच्छी नहीं थी.

उन्होंने कहा,%अब मेरा शरीर वैसा नहीं रहा. मैं 400 मीटर धावकों के साथ ट्रेनिंग करता हूं, इसलिए मेरा शरीर कम से कम 300 मीटर की पीक स्पीड के लिए तैयार होता है. जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ता है, यह दूरी घटती जाती है. अभी यह 210, शायद 200 मीटर रह गई है.%

खाली ट्रैक और सूने स्टैंड ने उन्हें और मार्टिन को अपने प्रदर्शन पर विचार करने और पिछले आयोजनों से सीखी बातें याद करने का मौका दिया.

फुटबॉल से एथलेटिक्स की ओर कैसे मुड़े?

फुटबॉल उनका पहला प्यार था, लेकिन उन्हें पहली बार शोहरत तब मिली जब उन्होंने एक स्थानीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 5 गोल्ड मेडल जीत लिए- वो भी संयोग से. उन्होंने कहा, मैं सैनिक स्कूल में था और आर्मी के जवानों के साथ ट्रेनिंग करता था. मेरी लंबाई अच्छी थी, जो फायदा देती थी. पांच गोल्ड जीतने के बाद मैं स्थानीय अखबारों में आया, लेकिन तब भी मैं एथलेटिक्स को गंभीरता से नहीं लेता था. यह बदलाव रातोरात नहीं आया. कॉलेज के पहले साल में ही उन्हें लगने लगा था कि पढ़ाई और सरकारी नौकरी की तैयारी उनकी मंजिल नहीं है. लेकिन दिक्कत थी...उन्होंने ये बात माता-पिता को नहीं बताई थी. उन्होंने कहा, आज भी मुझे मां-पापा से अपनी इच्छाएं कहने में दिक्कत होती है जैसे, मुझे कुछ चाहिए, तो कह नहीं पाता. परिवार में पहले कभी कोई प्रोफेशनल एथलीट नहीं रहा था और छत्तीसगढ़ के हालात के कारण प्रेरणादायक उदाहरण भी नहीं थे. उस रात मौसा ने पिता को घर बुलाया. अनिमेष के लिए हैरानी की बात यह थी कि पिता ने तुरंत हामी भर दी- करो, कौन रोक रहा है? जो करना है, करो. मां और मौसी इसके खिलाफ थीं, लेकिन पिता और मौसा ने उन पर भरोसा किया.